महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- २८ अक्टूबर २०२० से दिसम्बर २०२०

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन

प्रमुख सुर्खियाँ

- केंचुआ खाद निर्माण
- मशरूम उत्पादन
- मधुमक्खी प्रशिक्षण
- पुररूस्कार वितरण
- ऑनलाईन बेवीनार का आयोजन
- स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत बेवीनार
- आपदा प्रबंधन
- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल
डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. अरुण सिकरवार

मुद्रण एवं ग्राफिक्स
जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....

महाविद्यालय समाचार दर्शन के अठ्ठाईसवें अंक के प्रकाशन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रही हूँ। माह अक्टूबर से दिसम्बर 2020 के मध्य छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं नैतिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु महाविद्यालय में सतत् शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठ एवं विभागों की महाविद्यालय में सचालित गतिविधियों में अहम भूमिका रही है।

महाविद्यालय का वातावरण एवं महाविद्यालयीन परिवार का सहयोग छात्राओं के भविष्य निर्माण में नीव का पत्थर सिद्ध होगा। मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन

प्राचार्य एवं संरक्षक

संपादकीय .....

महाविद्यालय 'समाचार दर्शन' का नवीन अंक आपके सामने प्रस्तुत है। 'समाचार दर्शन' के पूर्व में प्रकाशित अंकों में आपकी सराहना से हम हर्षित है। आपकी

प्रेरणा से प्रेरित हो नवीन अंक को ओर अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित है महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रथम टेस्ट एवं विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर परीक्षाओं के माध्यम से अपनी योग्यता एवं गुणवत्ता का लोहा मनबाया है। शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर उपलब्धियों के मान से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा है। जिन छात्राओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। उन्हें शुभकामनाएँ।

मद्य निषेध सप्ताह

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 02.10.2020 को महात्मा गॉधी जी की 151 वी जयंती पर मद्य निषेध सप्ताह पर महाविद्यालय की एनसीसी एवं एनएसएस इकाई द्वारा प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में महात्मा गॉधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ किया इस अवसर पर संगीत विभाग के श्री प्रेमकान्त कटंगकार एवं डॉ. वर्षा चौधरी द्वारा वैष्णव जन तो तेने कहिए भजन प्रस्तुत किया और प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन द्वारा महाविद्यालय के कर्मचारियों को नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत शपथ दिलाई एवं सभी को संबोधित करते हुए कहा कि अपने मोहल्ले और समाज के परिवार के लोगों को नशा मुक्ति की ओर प्रेरित करना है और महाविद्यालय में इसका सेवन करने पर 200 रूपये का जुर्माना है। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी डॉ. हर्षा चचाने एवं डॉ. ज्योति जुनगुरे ने सप्ताह में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया एवं बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सम्पन्न कराया गया।

एनसीसी प्रभारी डॉ. संगीता पारे ने भी एनसीसी की छात्राओं को कार्यक्रम से जोडते हुए सहभागिता हेतु प्रेरित किया । प्राचार्य डॉ. जैन ने कहा कि सप्ताह में होने वाली विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया जावेगा। कार्यक्रम में नशा मुक्ति, जागृति गॉधी जीवन दर्शन पर व्याख्यान प्रश्नमंच, पोस्टर एवं स्लोगन आदि गतिविधियॉ ऑनलाई आयोजित की जावेगी।

नवीन शिक्षा नीति

आज दिनांक 03.10.2020 को शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल कुलपति डॉ. आर. जे. राव ने नवीन शिक्षा नीति पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों को व्याख्यान के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब कोई भी विद्यार्थी विज्ञान संकाय में अध्ययनरत है वो विज्ञान के विषय के साथ कला वाणिज्य अथवा अन्य संकाय के विषय भी ले सकता है जिसका वर्तमान शिक्षा नीति में आभाव है। श्री राव ने बताया कि यदि कोई विद्यार्थी उच्च शिक्षा के दौरान एक या दो वर्ष की पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात किसी भी कारण से कुछ वर्षों के लिए पढ़ाई छोड़ देता है तो वह अपनी आगे की पढ़ाई पुनः कुछ वर्षों बाद भी पूर्ण कर सकता है। उन्होंने बताया कि नयी शिक्षा नीति में यदि छात्रा एक वर्ष बाद भी पढ़ाई छोड़ देता है तो उसे प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा और यदि दो वर्ष बाद पढ़ाई छोड़ता है तो उसे डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। और तीन वर्ष की पढ़ाई पूर्ण करने पर स्नातक की उपाधि प्रदान की जावेगी, जिसका प्रावधान वर्तमान शिक्षा नीति में नहीं है।

डॉ. आर.जे. राव ने बताया कि इग्नू के समान ही बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा भी पत्राचार द्वारा पढ़ने की सुविधा नवीन शिक्षा नीति में दी जा सकेगी। उन्होंने बताया कि अब उच्च शिक्षा में शोध कार्यों को बढ़ाने की लिए रूसा के अंतर्गत वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराये जाएंगे। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए नवीन शिक्षा नीति में प्रावधान किये गये हैं साथ ही उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति लाइट और टाइट होगी।

राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी के 151 वीं जयंती पर मध्य निषेध सप्ताह

आज दिनांक 06.10.2020 को शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी के 151 वीं जयंती पर मध्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के दिशा निर्देशन में एनएसएस एवं एनसीसी के तत्वाधान में गांधी दर्शन पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी के प्रतिमा पर मंचासीन प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. आर.बी. शाह, डॉ. कंचन ठाकुर के द्वारा माल्यार्पण कर पूजन अर्चना के साथ हुआ।

महाविद्यालय की संपूर्ण गतिविधियों की संरक्षिका प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने अपने उदबोधन में गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से संबंधित साहित्य महाविद्यालय के ग्रंथालय में उपलब्ध है छात्राओं को साहित्य का अध्ययन कर गांधीजी के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेनी चाहिए। गांधी जी का संपूर्ण जीवन सत्य, अहिंसा जैसे आदर्शों पर आधारित है स्वावलम्बन और आत्म निर्भरता जैसे नैतिक गुणों पर महात्मा गांधी ने भरपूर जोर दिया है एवं भारतीय जन का आवाहन किया है कि आत्म निर्भर भारत ही सम्रध एवं सुदृढ़ होगा। इसी क्रम में कार्यक्रम के मुख्य आकर्षक प्राध्यापक इतिहास विद्वान डॉ. रामबाबू मेहर ने अपने व्याख्यान में महात्मा गांधी जी के जीवन के कई महत्वपूर्ण घटनाओं से अवगत कराया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती पर गांधी दर्शन का व्याख्यान कार्यक्रम

मंच संचालन करते हुए एनसएस प्रभारी डॉ. ज्योति जुनगरे ने कहा कि विद्यार्थियों को तबाया कि हमें गांधी जी के जीवन के प्रेरक प्रसंगों से प्रेरणा प्राप्त कर प्रगति पथ पर आग्रसर होना चाहिए। आभार व्यक्त करते हुए एनएसएस प्रभारी इकाई–2 डॉ. हर्षा चचाने ने छात्राओं को शपथ दिलाई कि हमें गांधी जी के दिये हुये संदेशों का पालन करना चाहिए। इस अवसर पर एनसीसी प्रभारी डॉ. संगीता पारे श्रीमती किरण विश्वकर्मा, डॉ. कीर्ति दीक्षित, कु. शिवानी अवसरे, मनीषा यादव प्रियंका बरखने, निकीता यादव, रामप्यारी, राधा सौम्या, अंजली, दीपशिखा, पूनम, दिक्षा कविता, मनीषा चौधरी, संगीता चौधरी, निशा अहिरवार, कोमन कैथवास, भारती चौधरी, आरती पटेल, शिखा पटले, तनवीर पवैय्या आदि स्वयं सेविकाएं उपस्थित थी।

गॉधी जी के सम्पूर्ण जीवन पर आधारित प्रदर्शिनी

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 09.10.2020 को गॉधी जी के सम्पूर्ण जीवन पर आधारित प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शिनी का आयोजन एनएसएस के तत्वाधान में किया गया। एनएसएस ईकाई 01 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे इकाई 02 की अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने ने बताया कि इस प्रदर्शिनी का आयोजन मद्य निषेध सप्ताह के अंतर्गत किया गया। प्रदर्शिनी का लोकार्पण

करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि मानव की प्रवृत्ति है कि जो वह अपने नेत्रों से आत्मसात करता है वह अधिक समय तक याद रखता है।

एंटी रैगिंग समिति की बैठक

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 13.10.2020 को एंटी रैगिंग समिति की बैठक प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें यूजीसी एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार अधिवक्ता सुश्री विजया कदम, समाज सेवी श्री बैजू जोसेफ, पत्रकार श्री मुकेश भदौरिया एवं पुलिस विभाग से श्रीमती जयश्री रैकवार, एवं महाविद्यालय के एन्टी रैगिंग के सदस्य उपस्थित रहे।

इस बैठक में सुश्री विजया कदम ने अपने बिचार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले रैगिंग का मतलब परिचय प्राप्त करना था परंतु अब रैगिंग का स्वरूप बदल चुका है।

प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि समिति द्वारा लिए गये निर्णय को जिले भर के महाविद्यालयों में लागू करने का प्रयास किया जायेगा, गृहविज्ञान महाविद्यालय में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है। अखवारों में हमें रैगिंग के भयावह परिणाम देखने को मिलते है। इस रैगिंग संबंधी निषेध बैठक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का उत्पीड़न, उत्पात, अनुशासनहीनता, दुर्व्यवहार, कष्ट, परेशानी, कठिनाई अथवा मनौवैज्ञानिक हानि एवं भय की भावना से मुक्त करना है।

पुलिस विभाग की श्रीमती जयश्री रैकवार ने बताया कि सभी महाविद्यालय में रैगिंग सम्बन्धित एक्ट का बोर्ड प्रचार प्रसार हेतु आवश्यक है और जगह जगह सीसीटीवी केमरे भी लगाया जाना चाहिए।

पत्रकार श्री मुकेश भदौरिया ने बताया कि यूरोपीय देशों में खेल एवं परिचय की परंपरा थी जो अग रैगिंग के रूप में भयावह हो चुकी है उन्होने प्रत्येक कालेज में एन्टी रैगिंग का फ्लेक्स लगाने का सुझाव दिया है।

समिति संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने बताया कि यूजीसी एवं विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार रैगिंग विरोधी नियमों को सख्ती से लागू किया जायेगा। इस महाविद्यालय में छात्राओं को आत्म रक्षा हेतु प्रतिवर्ष जूडो एवं कराते का प्रशिक्षण दिया जाता है।

सदस्यों द्वारा बैठक में यह भी बिचार विमर्श किया गया कि रैगिंग मुक्त केम्पस हेतु समय समय पर रैगिंग रोधी कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियॉ, अन्य रचनात्मक उपाय किए जायेंगे।

अग्रणी महाविद्यालय द्वारा ऑनलाईन कक्षाओं की निगरानी – डॉ. कामिनी जैन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार अग्रणी महाविद्यालय द्वारा जिले के महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की ऑनलाईन कक्षाओं की मानिटरिंग हेतु जिला स्तरीय निगरानी समिति गठित की गई है। जिसमें डॉ. किरण तिवारी, डॉ. श्रीकान्त दुबे, डॉ. अरूण सिकरवार, तकनीति विशेषज्ञ श्री आशुतोष तिवारी, श्री जलज श्रीवास्तव एवं श्री हेमंत चौरे शामिल है।

प्रतिदिन जिले के शिक्षकों द्वारा ली जाने वाली ऑनलाईन कक्षाओं की लिंक सहित समय सारणी सभी महाविद्यालयों से बुलाई गयी है निगरानी समिति के

सदस्य उपलब्ध कराई गयी लिंक के माध्यम से कक्षाओं में जुडते है तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति आदि डाटा का संधारण निर्धारित प्रारूप में करते है जिसकी प्रतिदिन समीक्षा प्राचार्य अग्रणी महाविद्यालय द्वारा की जाती है। जो शिक्षक निर्धारित समय पर उपलब्ध कराई गई लिंक पर ऑनलाईन कक्षा में उपस्थित नही रहते है उनकी जानकारी संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य को दी जाती है और यह स्थिति बने रहने पर संबंधित शिक्षक की जानकारी उच्च शिक्षा विभाग को प्रेषित की जावेगी।

डॉ. जैन ने विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि कोविड 19 के कारण अध्यापन प्रक्रिया में आई बडी बाधा के कारण जो नुकसान हुआ है उसकी कुछ पूर्ति करने के लिए ऑनलाईन कक्षाओं में जुडे, क्योंकि कई विषयों के शिक्षक लेपटॉप/ डेस्कटॉप, डिजिटल पेन, पावर पाइंट प्रजेंटेशन आदि के माध्यम से विद्यार्थियों श्रेष्ठ जानकारी देने का प्रयास कर रहे है। उन्होने सभी महाविद्यालयों को भी निर्देश जारी किए है कि विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से अध्यापन सामग्री उपलब्ध कराने के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करें जिससे इस विपदा की घडी में देश का भविष्य नौजवान पीढ़ी को सार्थक दिशा मिल सके।

राष्ट्रीय सेवा योजना

आज दिनांक 27.10.2020 को शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर के चिकित्सक डॉ. उमेश सेठा, वरिष्ठ पत्रकार श्री राजू जुमनानी, प्रतिभा बैंक के सदस्य श्री बेजू जौसफ, एनएसएस जिला समन्वयक डॉ. डी.एस. खत्री, डॉ. अरूण सिकरवार, डॉ. पी.आर.मानकर, एनएसएस अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. हर्षा चचाने, श्रीमती खुशबू माने, डॉ. कीर्ति दीक्षित, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, बैठक की अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

एनएसएस इकाई–01 डॉ. ज्योति जुनगरे ने बैठक में ऐजंडा बताते हुए कहा कि वार्षिक कैलेण्डर के अनुसार वर्ष भर की गतिविधियों के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शासन द्वारा समय–समय पर राष्ट्रीय सेवा योजना को दिये गये कार्यक्रम जैसे सात दिवसीय एनएसएस केम्प, स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, साक्षरता अभियान बाल संरक्षण क्लब का गठन रेड रिबन क्लब का गठन ऑनलाइन वेबीनार का आयोजन, योग व्यायाम एवं परेड गतिविधी इन बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर सम्मिलित किया गया है।

श्री बेजू जोसफ ने बताया कि एनएसएस में उत्कृष्ट कार्य करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया जाना चाहिए एवं विद्यार्थियों में समाज सेवा गुण का होना महती आवश्यकता है। श्री राजू जुमनानी ने अपने उदबोधन में कहा कि कैंप शहर के आस–पास उन गांव में लगाये जाना चाहिए। जो स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की महत्ता को कम समझते हैं। हम इस कार्य में महिला एवं बाल विकास विभाग का सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। जिला समन्वयक डॉ. डी.एस. खत्री ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने जापान तक जिले का प्रतिनिधित्व किया है। हमें स्वास्थ परीक्षण के माध्यम से जागरूकता फैलानी होगी। डॉ. उमेश सेठा ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज कार्य के विद्यार्थियों को जागरूकता अभियान से जोड़ा जाना चाहिए। हमें जिले की किशोरी युवतियों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि लगभग 63 प्रतिशत कैंसर महिलाओं में ही होता है। हमें 5 वर्ष का कैलेण्डर तैयार कर कार्य करना होगा। डॉ. हर्षा चचाने ने कहा दीपावली से पूर्व रैली निकाल कर कचरा निस्तारण के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस बैठक में अध्यक्षीय उदबोधन में प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी श्रम का महत्व नहीं जानती है। वह परिश्रम से नवीन कार्य कर नवीन परिणाम देने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। परिश्रमी विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए उन्हें संस्था द्वारा प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाएगा एवं उन विद्यार्थियों को रोल मॉडल बनाया जाएगा। युवा पीढ़ी को यथार्थ के धरातल पर कार्य करना होगा। तभी स्थायी परिणाम प्राप्त होंगे। नर्मदा तट से पूजन सामग्री को एकत्रित कर स्वयं सेवक एवं स्वयं

सेविकाओं द्वारा एकत्रित कर महाविद्यालय में इनको खाद के रूप में परिवर्तन किया जाएगा। इस हेतु समाज सेवी बेजू जोसफ वरिष्ठ पत्रकार राजू जुमनानी, डॉ. उमेश सेठा से सहयोग की अपेक्षा की है। बैठक के अंत में आभार डॉ. हर्षा चचाने ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 05.10.2020 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में एनएसएस ईकाई 01 की प्रभारी डॉ. ज्योति जुनगरे एवं एनएसएस ईकाई 02 की प्रभारी डॉ. हर्षा चचाने के नेतृत्व में एनएसएस की स्वयंसेविकाओं द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत पंपलेट का वितरण किया गया जिसमें छात्राओं द्वारा स्थानीय बाजार में फल एवं सब्जी विक्रेताओं को बताया गया कि तम्बाकू, गुटका, पाउच स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है अतः इसके प्रयोग से बचना चाहिए। हर 5 व्यक्ति की मृत्यु में 1 की मृत्यु का कारण तम्बाकू है। सिगरेट बीडी पीने से 25 प्रतिशत हृदय घात, 30 प्रतिशत केन्सर तथा 25 प्रतिशत अस्थमा आदि रोग हो जाते है विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 2020 में 50 करोड़ व्यक्ति केन्सर ग्रस्त हो गये है।

एनएसएस की स्वयं सेविकाओं द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत पंपलेट का वितरण किया गया

छात्राओं ने कहा कि हम संकल्प के साथ नशा मुक्ति की ओर बढ़े। छात्राओं ने नशा नही करने का संकल्प दिलाया एवं सभी से निवेदन किया कि अपना अमूल्य समय देकर इस बुराई से छुटकारा दिलाने में हमारा सहयोग करे।

सावधानी ही सुरक्षा का अचूक मंत्र – डॉ. जैन

आपदा के दौरान सावधानी ही जन धन व जीवन की सुरक्षा का महत्वपूर्ण मंत्र है। यह बात शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कही। ज्ञात को गुरूवार 29 अक्टूबर को महाविद्यालय की आपदा प्रबंधन समिति द्वारा आग प्रबंधन विषय पर ऑनलाईन बिचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. जैन ने कहा कि महाविद्यालय में गठित आपदा प्रबंध समिति द्वारा आपदा प्रबंध को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है यह कार्यक्रम उसी कार्य योजना का एक हिस्सा उन्होनें महाविद्यालय की छात्राओं को आग के प्रति सदैव सजग रहने को कहा है। उन्होने यह भी कहा कि आग यदि नियंत्रण में है तो हमारी मित्र है और जीवन में उपयोगी है किन्तु यदि वह अनियंत्रित हो जाती है तो यह विनाश का पर्याय बन जाती है। इसलिए घरों खेत खलियानों कार्यालयों सार्वजनिक यातायात के साधनों में सदैव सतर्क रहना चाहिए

प्रयोगशालाओं/बस/ट्रेन में अग्नि शामक यंत्र होना आवश्यक है। आगजनी रोकने के लिए हर पंचायत में आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

ऑनलाईन संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. आशीष बिल्लोरे ने आग प्रबंधन पर व्यापक प्रकाश डालते हुए पीपीटी के माध्यम से आग से बचाव के विभिन्न पहेलुओं को समझाया और उन्होने आग के प्रकार , अग्नि बुझाने का सिद्धांत , आग बुझाने में उपयोग होने वाले सामान्य उपकरण, नगर क्षेत्र में भवनों की सुरक्षा, बहुमंजिले भवनों में अग्नि सुरक्षा, ग्रामीण क्षेत्रों में भवनों की सुरक्षा, त्योहारों और आयोजनों पर अग्नि सुरक्षा, विस्फोटकों व पटाखों के निर्माण, भंडारण व परिवहन में सावधानियों, सार्वजनिक स्थलों पर अग्नि से सुरक्षा, रेल गाडी में एलपीजी गोदामों में अग्नि सुरक्षा, उद्योगों में अग्नि सुरक्षा, विद्युत की अग्नि से सुरक्षा आदि बिन्दुओं पर अपने बिचार रखे।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने कहा कि आपदा प्रबंधन समिति द्वारा माह के दूसरे सप्ताह में विभिन्न विषयों जैसे भूकंप प्रबंधन, बाढ़ प्रबंधन, रेल भिडंत, भगदड़, भूस्खलन, आग प्रबंधन पर चर्चा की जावेगी एवं इससे संबंधित डाक्यूमेंट्री प्रत्यक्ष मॉक ड्रील के आयोजन किए जा रहे है। इससे आपदा प्रबंधन को लेकर विद्यार्थियों में जागरूकता आवेगी।

प्राध्यापक डॉ. अरूण सिकरवार ने कहा कि अपने रासायनिक उपकरणों से आग से कैसे निदान पाया जा सकता है इस बात को विस्तार पूर्वक समझाया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. हर्षा चचाने ने आग , आगजनी से होने वाले नुकसान और सुरक्षा के उपायों पर चर्चा करते हुए सभी उपस्थित प्राध्यापकों, सहा. प्राध्यापकों, शिक्षकों, पालक व छात्राओं का आभार माना। इस बिचार गोष्ठी में 70 छात्राओं के साथ उनके पालक, समूचा महाविद्यालय एवं स्टॉफ उपस्थित रहा।

महात्मा गॉधी काउंसिल ऑफ रूलर ऐज्यूकेशन हैदराबाद

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 15.10.2020 को महात्मा गॉधी काउंसिल ऑफ रूलर ऐज्यूकेशन हैदराबाद के द्वारा ऑनलाईन वर्कशाप का आयोजन किया गया। इस ऑनलाईन वर्कशाप में एनएसएस अधिकारी इकाई 1 डॉ. ज्योति जुनगरे, एनएसएस इकाई 2 अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने एनसीसी अधिकारी डॉ. संगीता पारे एवं इस वर्कशाप की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने की । कार्यक्रम की संयोजक सुश्री ख्याति धुर्वे ने महाविद्यालय की लगभग 80 छात्राओं से जुडकर उनके अनुभवों को साझा किया

इस कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए कोरोना काल में भी छात्राओं द्वारा किए जा रहे कार्यो की सराहना की। डॉ. जैन ने बताया कि हमारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सदैव तत्पर रहता है। एनसीसी, एनएसएस, कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, पोषण बगिया, वर्मी कम्पोष्ट, मशरूम उत्पादन, हर्बल उद्यान, फैशन डिजाइनिंग इत्यादि इकाईयॉ छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने में महती भूमिका अदा करते हैं। कई छात्राओं ने इससे लाभांवित होकर व्यवसाय प्रारंभ किया है। संम्पूर्ण महाविद्यालय परिसर पॉलीथिन मुक्त एवं स्वच्छ है। उन्होने व्यक्तिगत स्वच्छताके साथ साथ मानसिक

स्वास्थ्य की महत्ता हो बताया।

डॉ. ज्योति जुनगरे ने योग, व्यायाम एवं व्यक्तित्व विकास पर अपना उद्‌बोधन दिया उन्होने बताया कि कैसे योग के द्वारा हम अपने आप को स्वस्थ्य एवं तंदुरूस्त रख सकते है

डॉ. हर्षा चचाने ने बताया कि हमें शारीरिक स्वच्छता के साथ साथ मानसिक मनोबल को बनाए रखना अति आवश्यक है। यह समय है जब हम अपने आत्मविश्वास को बनाए रखे।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संगीता पारे ने बताया कि एनसीसी के माध्यम से विद्यार्थी में आत्मविश्वास चरम पर होता है वह हर कार्य को अधिकाधिक तन्मयता से करते है।

एनएसएस में राज्य स्तरीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर चुकी रोशनी धोटे ने बताया कि वह कोरोनाकाल में महाविद्यालय के नाम से नर्सरी का निर्माण किया है जिसमें विभिन्न पौधों को रोपण किया है एवं गॉव के बच्चों को एकत्र कर पौधारोपण एवं स्वच्छता के लिए प्रेरित कर रही है एमएसडब्ल्यू में अध्ययनरत रहते हुए कविता राजपूत ने मधुमक्खी पालन कर बड़ी व्यवसायी बन गई है।

इस कार्यक्रम की संयोजक सुश्री ख्याति धुर्वे ने बताया कि इय मंच विद्यार्थियों के अनुभव को साझा करने का है। प्रत्येक संस्थान में यह प्रयास किया जाना चाहिए विद्यार्थी स्वरोजगार से जुडकर आत्मनिर्भर बने।

''एक भारत श्रेष्ठ भारत''

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में आज दिनॉक 02.11.2020 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना के अंतर्गत गूगल मीट प्लेटफार्म पर बेवीनार का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना केन्द्र सरकार की योजना है जिसके अंतर्गत हमारे महाविद्यालय में प्रतिमाह विभिन्न गतिविधियॉ आयोजित की जाती है जिनमें महाविद्यालय की छात्राएँ ऑनलाईन प्लेटफार्म पर भाग ले रही हैं, मणिपुर में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहारों एवं व्यंजनों से छात्राओं को अवगत कराने हेतु पुनः आज इस बेवीनार का आयोजन किया जा रहा है।

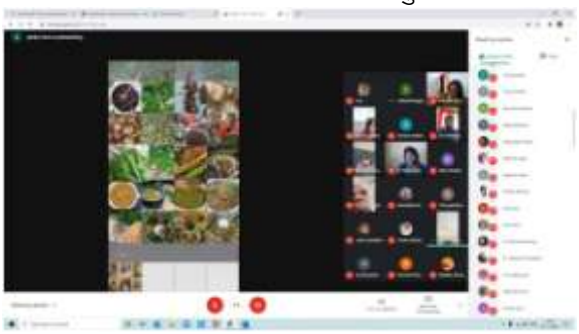

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. संध्या राय ने बताया कि ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' अभियान के अंतर्गत अलग अलग राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों को एक दूसरे से युग्मित किया गया है। इसी परिपेक्ष्य में मध्यप्रदेश को मणिपुर राज्य के साथ में युग्मित किया गया है, निश्चित रूप से यह अभियान विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की सांस्कृतिक खाई को पाटकर ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' की परिकल्पना को साकार करेगा।

बेवीनार की मुख्य वक्ता नर्मदा नर्सिंग महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. चोंगथम पिंकी देवी ने मणिपुर के त्योहारों एवं व्यंजनों पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया। उन्होने बताया कि मणिपुर में मैके, गांगई, चैईरावा, लाईहराबा, संगाई, निंमोल चाकोबा, ईमोइनु आदि मनाए जाते है जिसमें लाईहराबा सबसे ज्यादा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है जो दीपावली के 15 दिवस बाद आता है एवं निमोल चाकोबा त्योहार विवाह उपरांत मायके के लोगों से मिलने के लिए आने पर मनाया जाता है इन अवसरों पर विभिन्न तरह की दालें, काला चावल, सब्जियॉ, बॉस का कंद, अरबी, कमल के फूल तथा पत्तों से बनी सब्जियॉ, हल्दी के फूल तथा जलीय पौधों से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाऐ जाते हैं इसके अतिरिक्त लहसुन, अदरक, प्याज के पत्ते, मशरूम, सोयाबीन

कुछ औषधीय पौधों का सेवन विशेषकर सब्जी तथा भजियॉ इत्यादि में किया जाता है। केले का फूल तथा उसके रस का सेवन विशेषकर गर्भवती महिलाओं के लिए किया जाता है। मणिपुर में मछली, चिकन आदि का सेवन भी प्रचुर मात्रा में किया जाता है। मणिपुर में विश्व की सबसे तीखी मिर्च में से एक लाल मिर्च मिलती है जिसे स्थानीय भाषा में भूत जोलतियॉ कहा जाता है। मणिपुर में स्थानीय ईमा बाजार आयोजित किया जाता है ईमा से तात्पर्य ''माँ'' होता है, इस स्थानीय बाजार में सिर्फ महिलाएँ ही दुकानदार होती है।

संतुलित, अंकुरित और ताजा भोजन बचाए बीमारियों से : पेंढारकर

संतुलित भोजन का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। यदि कोरोना जैसी बीमारियों से बचना है तो आप संतुलित, अंकुरित और ताजा भोजन ही लें। हम जो भोजन करते हैं सामान्य तौर पर स्वाद के अनुसार करते हैं। हमें स्वाद से बच कर स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर भोजन ग्रहण करना चाहिए। यह बात सोमवार को शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय के क्रीड़ा एवं योग विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबीनार में देश की सुप्रसिद्ध डाइटिशियन डॉ. जयश्री पेंढ़ारकर ने कही। कार्यक्रम के दौरान अमरावती से डॉ. अरूण खोडस्कर, हरिद्वार से डॉ. उधमसिंह, पश्चिम बंगाल से डॉ. महेश एस. खेतमाली, ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की योग विभाग प्रमुख डॉ. साधना दानोरिया ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना की। इस दौरान स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में योग और आहार शास्त्र की स्नातकोत्तर डिप्लोमा विगत कई वर्षो से सफलता पूर्वक चल रहा है योग और पोषण के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ने के कारण युवा पीढ़ी का इस विषय के प्रति रूझान बढ़ा है। आज समय की मांग है कि हम अपनी तेज रफ्तार जीवन शैली में योग को स्थान देकर स्वस्थ रहें साथ ही साथ संतुलित आहार को अपनाएं।

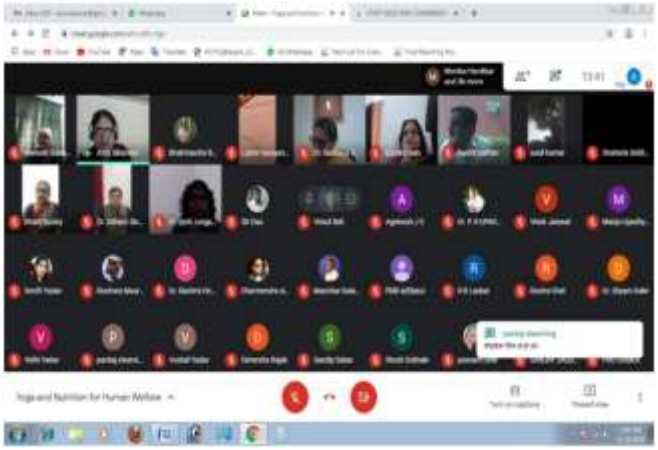

कार्यक्रम संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने बताया कि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के मार्गदर्शन में योग एवं आहर विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। इसमें देशभर के 850 से अधिक प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों, क्रीड़ा अधिकारियों, योग शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी ने अपना पंजीयन कराया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के पूर्व प्राचार्य डॉ. अरूण खोडस्कर ने कहा कि कोई भी व्यक्ति योग के माध्यम से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बना सकता है। प्रतिदिन 20 से 25 मिनट तक योगाभ्यास करने पर ही हम 150 से अधिक सामान्य और 25 से अधिक गंभीर बीमारियों से बचे रहते हैं।

गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के योग प्रोफेसर डॉ. उधम सिंह ने योग तकनीकि में संज्ञानात्मक माध्यम से बदलाव विषय पर अपनी बात कही। उन्होंने कहा पूरी दुनिया मान चुकी है कि योग एक विज्ञान है। अब इसमें संज्ञानात्मक बदलाव आ रहा है।

विश्वभारती शांति निकेतन कोलकता पश्चिम बंगाल के डॉ. महेश एस. खेतमाली ने कहा कि आहार के साथ–साथ व्यायाम का जीवन में बहुत महत्व है। डॉ. खेतमाली ने विभिन्न प्रकार के व्यायाम और उनका शरीर पर प्रभार के बारे में विशेष जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के योग विभाग प्रमुख डॉ. साधना दानोरिया ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी व्यस्ततम जीवन शैली में बदलाव नहीं ला पाते हैं वे यदि 20–30 मिनट योगा अभ्यास करें तो सदैव स्वस्थ रह सकते हैं। श्रीमती दानोरिया ने जीवन में योग का महत्व बताया।

उद्योग और शिक्षा

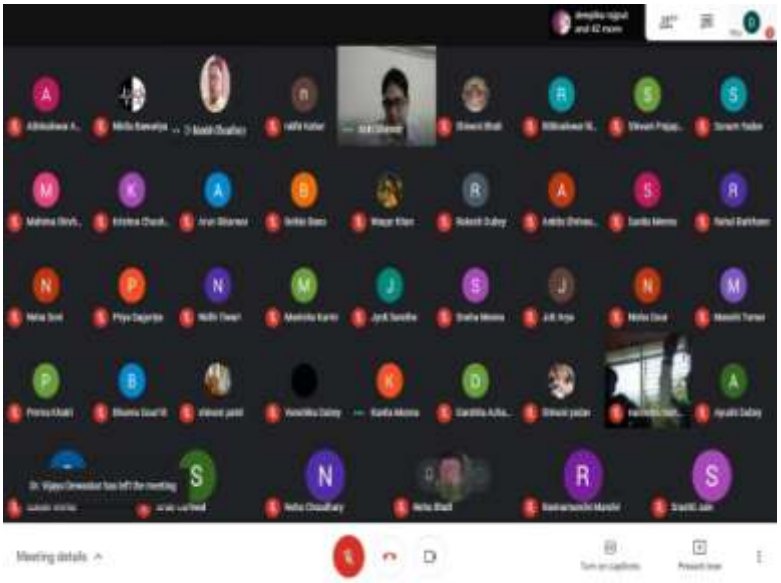

आज दिनांक 24.11.2020 को शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में उद्योग और शिक्षा विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कामनी जैन ने बताया कि वर्तमान शिक्षण–व्यवस्था औद्योगिक में उपलब्ध रोजगार के अनुसार प्रासंगिक नहीं है। हमें पाठ्यक्रम तैयार करते समय उद्योग से जुड़े लोगों से सलाह ली जानी चाहिए। तभी हम अपने विद्यार्थियों को उद्योग में रोजगार के लिए तैयार कर पाएंगे। वेबीनार में डॉ. मनीष चौधरी ने अपने उद्बोधन में प्रायोगिक कार्यों को पाठ्यक्रम में अधिक से अधिक शामिल करने पर जोर दिया। छात्रा चंचल शर्मा (एमएससी केमिस्ट्री) ने औद्योगिक प्रदूषण पर पीपीटी द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए एवं भोपाल गैस त्रासदी का उदाहरण दिया छात्रा आशी तिवारी (बीएससी तृतीय वर्ष) ने पर्यावरण प्रदूषण पर अपने विचार व्यक्त किए। बेवीनार के समापन पर बेवीनार के समन्वयक डॉ अरुण सिकरवार ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार पाठ्यक्रम बनाने वाली समितियों में औद्योगिक व्यक्ति और 45 वर्ष से कम उम्र के शिक्षकों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देती है।

आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश आउटपुट इंडिकेटर ३

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश आउटपुट इंडिकेटर ३ के तत्वाधान में आंतरिक एवं बाह्य अंकेक्षण विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री हर्षित रावत जी उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन जी विषय की प्रस्तावना देते हुए बताया कि अंकेक्षण की उत्पत्ति कब और कैसे हुई इस प्रश्न का जवाब देना वस्तुतः एक कठिन कार्य है परंतु पूर्व में मिस्र, रोम और ग्रीस के साम्राज्य के समय राजकीय बही खातों के हिसाब किताब की जांच, एक प्रथा के रूप में मिलती है। उन्होंने बताया कि बाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड में जब भरत जी रामचंद्र जी से मिलने गए और श्री राम ने भरत जी से आमदनी और खर्च का ब्यौरा पूछा यह इस बात का प्रतीक है कि लेखा परीक्षण की कोई प्रथा उस समय भी थी। उन्होने बताया कि अर्थशास्त्र के जनक चाणक्य ने छोटे एवं बड़े लेखों को अलग कर 40 प्रकार के कपट और गबन का वर्णन किया है। मोर्यो एवं मुगलों के शासन काल में भी इस प्रकार की प्रथा थी। बाद में इसका विकास और विस्तार होता गया उन्होंने बताया कि वर्तमान शताब्दी में अंकेक्षण का विकास मुख्य रूप से औद्योगिक क्रांति, व्यवसाय के बढ़ते स्वरूप एवं समाज के प्रति व्यवसाय के बढ़ते दायित्व के कारण हुआ। प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन जी ने इसकी उपयोगिता एवं महत्व को भी विस्तार से बताते हुए कहा की यह सभी प्रकार के संगठन चाहे वह सरकारी हो, अर्ध सरकारी हो या निजी, सभी में अंकेक्षण करवाना व्यवसाय की आवश्यकता है। अंकेक्षण कार्य करने के पूर्व अंकेक्षक को इस संबंध में बनाए गए सभी अधिनियमों ,कानूनो , प्रावधानों एवं व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से अध्ययन कर लेना चाहिए।

मुख्य वक्ता चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री हर्षित रावत जी ने व्यापक विषय को सरलता से एवं सूक्ष्मता से समझाया उन्होंने व्यवसाय की स्थापना कैसे करें एकांकी व्यापार साझेदारी व्यापार कंपनी का निर्माण कंपनी के प्रकार आदि की जानकारी छात्राओं को दी। उन्होंने अंकेक्षण का अर्थ ,अंकेक्षण से लाभ, उसकी प्रक्रिया ,अंकेक्षक की नियुक्ति ,उसकी योग्यता, अधिकार एवं कर्तव्य विषय पर चर्चा की। उन्होंने आंतरिक और बाह्य अंकेक्षण को व्यापक रुप में समझाया। इसके साथ ही उन्होंने अंकेक्षण की तकनीक, उसकी कार्यपद्धती ,प्रमाणन, संपत्तियों और दायित्वों का अंकेक्षण ,अंकेक्षक का प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र जैसे तकनीकी विषय पर सरलता से छात्राओं को जानकारी दी

वेबीनार के समापन पर वेबीनार के समन्वयक डॉ. अरुण सिकरवार जी ने विभिन्न संस्थाओं के अंकेक्षण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सर्वप्रथम शिक्षण संस्थाओं जैसे स्कूल कॉलेज व विश्वविद्यालय के अंकेक्षण पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन शिक्षण संस्थाओं का अंकेक्षण वैधानिक तौर पर आवश्यक नहीं है। किंतु अंकेक्षण की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए शिक्षा निर्देशालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इन संस्थाओं को अंकेक्षण करवाने के लिए कहते हैं। राजकीय शिक्षण संस्थानों का अनिवार्य अंकेक्षण सरकार द्वारा करवाया जाता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बैंक बीमा वित्तीय संस्थाओं एवं सरकारी कंपनियों के अंकेक्षण पर भी संक्षिप्त में चर्चा की।

राष्ट्रीय सेवा योजना

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में बाल संरक्षण क्लब द्वरा बाल संरक्षण सप्ताह का आयोजन प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में किया गया प्राचार्य द्वारा एन.एस.एस. स्वंय सेवकों की भागीदारी से ही बाज जीवन को हिंसा से वचाया जा सकता है बाल संरक्षण आदि की जानकारी देते हुए कोविड–19 के नियमों का पालन करते हुए शपथ, रैली एवं मानव श्रंखला बनाई गई । साप्ताहिक गतिविधियों के अन्तर्गत स्लोगन, निबंध एवं परिचर्चा का भी आयोजन किया गया । बाल संरक्षण

क्लव की अध्यक्ष कु. रोशनी धोटे एवं सदस्यों की भी सक्रिय भागीदारी रही । महाविद्यालय की एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे एवं डॉ. हर्षा चचाने द्वारा समस्त गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया ।

स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 26.11.2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का आयोजन स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में किया गयास कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ अरुण सिकरवार विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय नवीन शिक्षा नीति यह कार्यक्रम आपके व्यक्तिगत विकास में सहायक गतिविधियों में सम्मिलित होना अत्यंत आवश्यक है नई शिक्षा नीति का उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्र में भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाना है और भारत के लिए नई शैक्षिक नीतियों के माध्यम से संपूर्ण भारत में शिक्षा का उचित स्तर प्रदान करना है। इसका उद्देश्य भारत में बच्चों को तकनीकी तथा रचनात्मकता के साथ–साथ शिक्षा की गुणवत्ता के माध्यम को इंगित करना है।

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार ने बताया कि स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत शासन कि मंशा अनुसार वार्षिक कैलेंडर के परिपालन में गतिविधियां जारी हैं। नई शिक्षा नीति 34 वर्ष पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 को प्रतिस्थापित करेगी। अतः यह व्याख्यान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य वक्ता डॉ अरुण सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवीन शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच कर के निर्णय को और नवाचार की भावना का प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है यह योजना मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना है इसे बहु आयामी बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों तक पहुंचाए जाने का उद्देश्य है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों की स्वयं सेविकाओं द्वारा कोविड–19 के नियमों का पालन करते हुए संविधान दिवस मनाया गया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने सभी को संविधान की शपथ दिलाई एवं अपने उदबोधन में कहा कि संविधान दिवस संविधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है आज के दिन को संविधान दिवस के

रूप में मनाने का एक मात्र बड़ा करण वेस्टर्न कल्चर के दौर में देश के युवाओं के बीच संविधान के मूल्यों को बढ़ावा देना है यही वह दिन है जब गुलामी की जंजीरों से आजाद होकर अपने स्पत्रंत अस्तित्व को आकार देने का प्रयास कर रहें राष्ट्र ने संविधान को अंगीकार किया था ।

रा.से.यो. की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने ने कहा कि हम सब जानते है कि भारत ने औपचारिक रूप से 26 नवम्बर 1949 को संविधान को अपनाया वर्ष 2015 में संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के 125वी जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने इस दिवस को सविधान के दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया ।

रा.से.यो. की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे ने आंबेडकरवादी और बौद्ध लोगों द्वारा कई दशकों पूर्व से संविधान दिवस मनाया जाता है । 26 नवम्बर का दिन संधिान के महत्व का प्रसार करने और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों अवधारणाओं का प्रसार करने के लिए चुना गया था इस दिन संविधान निर्माण समिति के वरिष्ट सदस्य डॉ. हरीसिंह गौर का जन्म दिन भी होता है ।

नवीन राष्ट्रीय नीति

आज दिनॉक 26.11.2020 का आत्मनिर्भर भारत और नवीन राष्ट्रीय नीति अभियान के तहत शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा चुका है । विगत पॉच वर्षो से यह प्रशिक्षण सतत् दिया जा रहा है । प्राचाय डॉ कामिनी जैन ने बताया कि मशरूम उत्पादन हेतु महाविद्यालय में पालिथीन बैग प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है इससे कम स्थान में अधिक उत्पादन किया जा सकता है । इसके उत्पादन के लिए किसी प्रकार की विशिष्ट तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता नही होती है । इसक उत्पादन में कमरे की तैयारी, रासायनिक विधि द्वारा भूसा भिगोना, बीजभरना, प्रबंधन, तुडाई, संग्रहण एव उपयोग इन चरणों में किया जाता है । मशरूम से विभिन्न प्रकार के व्यंजन जैसे कटलेट्स, नूडल्स, पकोड़ा, अचार, सूप ,पुलाव, विरयानी बनाई जा सकती है ।

प्राचार्य ने बताया कि मशरूम की खेती से पर्यावरण का कोई नुकसान नही होता। मशरूम उत्पादन के बाद बचा हुआ भूसा कार्बनिक खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है।भूमिहीन व्यक्तियो के लिये यह लाभदायीहै । मशरूम उत्पादन स्वरोजगार के लिए बड़ा अवसर प्रदान करती है । महाविद्यालय में आगामी योजना मशरूम बीज का उत्पादन करना प्रस्तावित है जिसे महाविद्यालय म प्रयोगशाला तैयार किया जाएगा। इस हेतु महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टॉफ को प्रशिक्षित किया जावेगा ।

होशंगाबाद जिला कृषि प्रधान है । यहां कृषि फसलों का उत्पादन बहुतायत में होता है । इन कृषि फसलों के व्यर्थ अवशेष से पुआल, भूसा का उपयोग पशुओं को खिलाने के लिए किया जाता है । लेकिन गेंहू फसल के अवशिष्ट का कोई उपयोग नही है किसान इसे खेतों में ही जला देते है । आयस्टर मशरूम की खेती एक बहुत ही अच्छा साधन है जिससे कृषि अवशिष्टो का प्रयोग कर किसान अपने परिवार को पौष्टिक आहार दे सकते है।हमारे जिले की जलवायु इसकी खेती के लिए बहुत ही अनुकुल है तथा अपने आने वाले समय में इस जिले में भी इसके उत्पादन मे वृद्वि की बहुत संभावनाये हैं । मशरूम की लगभग 50 किस्में

ऐसी है जिन्हें खाया जाता है । इन किस्मों में सबसें सामान्य मशरूम को ताजा या डिब्बाबंद करके बेंचा जाता है । इसमें सबसे अधिक मूल्यवान मोरेस वा गुच्छी मशरूम, आयस्टर मशरूम व ढ़िगरी, श्वेत मशरूम, धान पराली मशरूम आदि प्रजातियॉ है । भारत में पहली बार मशरूम को उगाने का प्रयत्न मशरूम अनुसंधान केन्द सोलन में सन् 1961 में किया गया ।

मशरूम पौष्टिक गुणों से युक्त हैं । मशरूम को सब्जी के रूप में बहुत पहले से खाया जाता था, परंतु इसकी पौष्टिकता के ज्ञान का पता अनुसंधान द्वारा चला हे कि इसमें बहुमूल्य प्रोटीन,खनिज लवण तथा खाद्योज जैसे पोषक तत्व पाये जाते हैं । मशरूम से प्राप्त प्रोटीन की पाचन शक्ति 60–70 प्रतिशत तक होती है जो पोधों से प्राप्त प्रोटीन से कही अधिक है । मशरूम में पर्याप्त मात्रा में कैल्श्यिम,फास्फोरस,लोहा,तांबा,तथा पोटाश पाए जाते हैं । जो कि हड्डी बनने तथा आखों की रोशनी के लिए बहुत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त मशरूम की कुछ प्रजातियॉ ऐसी भी हैं, जिनका उपयोग विभिन्न प्रकार की बिमारियों के उपचार के लिए किया जाता हैं। फोम्स आफिसिनेलिस कब्ज को ठीक करने के लिए, लाईकापरडोन गाईगेन्टस को रक्तस्त्राव रोकने के लिए और पॉलीपोरस आफिसिनेलिस को (थोडी मात्रा में सेवन करने से) दस्त को रोकने के लिए प्रयोग किया जाता है।

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति ठाकुर और डॉ. रीना मालवीय के द्वारा सम्पन्न कराया जा रहा है। संस्था श्री अरूण चौरे जी (तकनीशियन प्रदान संस्था सुखतवा) की आभारी है कि उनका सतत् सहयोग हमारे महाविद्यालय को मिलता रहता है। महाविद्यालय के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं छात्राऍ प्रतिवर्ष प्रशिक्षण में शामिल होकर लाभांवित होते है। इस वर्ष भी शहर की महिलाओं में श्रीमती अर्पिता गुबरेले, श्रीमती अंजना दुबे, श्रीमती राशि दुबे, एवं एसएनजी स्कूल के शिक्षक श्री अमरसिंह रघुवंशी प्रशिक्षण में शामिल हुए।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

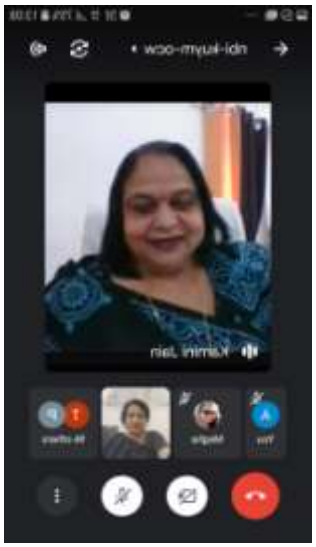

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तहत एक ऑनलाइन मीटिंग प्रथम वर्ष की छात्राओं हेतु आयोजित की गई महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने बताया कि शासन द्वारा कैरियर मार्गदर्शन योजना में व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ को भी सम्मिलित कर दिया गया है यह योजना शिक्षक अभिभावक योजना के माध्यम से महाविद्यालय में संचालित की जाएगी डॉ जैन ने अपने उद्बोधन में प्रथम वर्ष की नव प्रेषित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की वह अपनी व्यक्तित्व रूचि के अनुसार

अच्छे केरियर का चुनाव कर सकती हैं। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में शासकीय नौकरियों हेतु जैसे – बैंक, एमपीपीएससी यूपीएससी, विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं परामर्श दिये जाते है। जो छात्राऍ लघु उद्योग और कुटीर उद्योग मे सोच रखती है उनको भी प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होने महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्राओं श्रीमती कविता राजपूत एवं श्रीमती बसु चौधरी का उदाहरण दिया जो कि महाविद्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त करके मधुमक्खी पालन इकाई को सफलता पूर्वक चला रही है। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार ने इस योजना का परिचय देते हुए कहा कि इस हेतु वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया गया है जिसमें प्रति सप्ताह कैरियर और व्यक्तित्व विकास से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा और छात्राओं को केरियर मित्र बनाने हेतु प्रेरित किया जाएगा महाविद्यालय में ट्रेनिंग और प्लेसमेंट अधिकारी डॉ विनीत

अग्रवाल ने बताया कि शासन की मंशा अनुसार महाविद्यालय की समस्त छात्राओं का डाटाबेस तैयार किया जाना है और पूर्व प्रवेशित छात्राओं का डेटाबेस अपडेट किया जाना है यह कार्य शिक्षक अभिभावकों के माध्यम से किया जाना है डॉक्टर अग्रवाल ने डाटाबेस तैयार करने हेतु छात्राओं को जानकारी प्राप्त कराने हेतु प्रेरित किया महाविद्यालय के भूगोल विभाग के डॉ हेमंत चौधरी ने इस अवसर पर भारत का भौगोलिक परिचय प्रदान करते हुए भारत की स्थिति विस्तार जनसंख्या भू आकृति प्रदेश नदियां पर्वत पठार भूगर्भिक संरचना प्राकृतिक वनस्पति वनों के प्रकार मृदा एवं कृषि प्रदेश आदि की जानकारी विभिन्न नक्शों के माध्यम से विस्तार पूर्वक समझाते हुए छात्राओं को भौगोलिक स्थिति से परिचित कराया ।

आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश आउटम इंटीकेटर 3

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में दिनांक 21 नवंबर 2020 को बौद्धिक संपदा पर बेवीनार का आयोजन किया गया यह बेवीनार आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश आउटम इंटीकेटर 3 द्वारा दी गई गाइडलाइन के तत्वाधान में आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. एनके चौबे सीनियर साइंटिस्ट इंटीलेक्चवल प्रापर्टी फेशीलेशन सेंटर, पेटेन्ट इंफरमेंशन सेंटर एण्ड टेक्नॉलाजी सेंटर भोपाल एवं विशिष्ट वक्ता डॉ रवि उपाध्याय प्रोफेसर शाससकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया जिला होशंगाबाद संयोजक डॉ. अरुण सिकरवार, नेक समन्वयक डॉ. रश्मि श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान की।

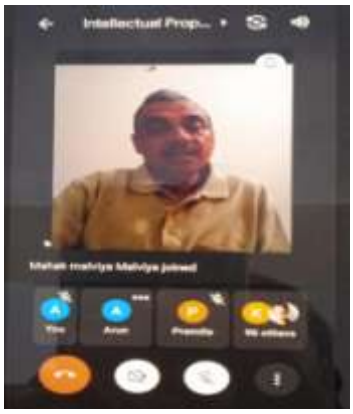

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट वक्ता के माध्यम से विद्यार्थियों को बौद्धिक संपदा जैसे गूढ़ विषय से साक्षात्कार करवाया जाएगा उक्त विषय से विद्यार्थियों को जोड़ने का मुख्य उद्देश्य है कोरोना कॉल में हम अपनी बौद्धिक क्षमता को सहज कर ज्यादा से ज्यादा बौद्धिक क्षमता में वृद्धि एवं ज्ञानार्जन कर सकें उन्होने महाविद्यालय के निर्भया हर्बल उत्पादन को पेटेंट कराने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों से जानकारी मांगी।

सीनियर साइंटिस्ट डॉ. एनके चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि पारंपरिक ज्ञान है जो हमारे समाज की संपदा है प्रॉपर्टी राइट्स अधिकारों का बंडल है मध्य प्रदेश को पेटेंट फूड स्टेट बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया पेटेंट के अर्थ एवं उसके एकाधिकार को समझाते हुए बताया कि पेटेन्ट की सम्पूर्ण जानकारियों हेतु भोपाल स्थित पेटेन्ट इनफरमेशन सेंटर भोपाल को साझा किया जा सकता है।

डॉ रवि उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में कहा कि बौद्धिक संपदा हमारी अपनी संपदा है सार्वजनिक चीजों पर हम पेटेंट नहीं कर सकते। रायल्टी तथा पेटेन्ट का फार्म भरते समय हमें क्या सावधानियॉ रखनी चाहिए तथा महाविद्यालय में उपस्थित हर्बल उद्यानों के पेड़ पौधों को कैसे पेटेन्ट किया जा सकता है इसकी विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की। भारत सामाजिक राष्ट्र है यह प्रक्रिया को एक महत्व दिया जाता है परिणाम को नहीं।

आपदा प्रबंधन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 28.11.2020 को आपदा प्रबंधन समिति द्वारा भूकंप प्रबंधन पर गूगलमीट पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि भूकंप एक प्राकृतिक आपदा है जिसके आने पर अपार जन धन की हानि होती है यह बिना किसी चेतावनी के काफी बड़े भौगोलिक क्षेत्र को प्रभावित कर सकते है। क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को इसके प्रभाव से पूर्णतः उभरने में हमारी उम्मीद से कहीं लम्बा समय लग सकता है। अतः भूकंप से संभावित जन धन की अपार क्षति के कारण यह आवश्यक हो जाता है कि भूकंप से सुरक्षा पर समुचित ध्यान दिया जावे।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने कहा कि भूकंप पूरे विश्व में किसी भी समय आ सकता है उसकी तीव्रता के आधार पर विनाश कम या व्यापक रूप से होता है। भूकंप आने के दो कारण होते है प्राकृतिक या मानव जनित ज्यादातर भूकंप भूगर्भीय दोषों के कारण आते है। उन्होने महाराष्ट्र के लातूर भूकंप त्रासदी का उदाहरण दिया।

मुख्य वक्ता डॉ. इमरान खान ने भूकंप का सामान्य परिचय देते हुए उन भौगोलिक कारणों को विस्तृत रूप से समझाया।उन्होने बताया कि पृथ्वी की बाहरी परत में अचानक हलचल होती है जिससे उत्पन्न ऊर्जा इसका कारण होता है यह उर्जा पृथ्वी की सतह पर भूकंप की तरंगे पैदा करती है यह तरंगें धरती को हिलाकर प्रकट होती है। पूरी धरती 12 टैक्टोनिक प्लेटों पर स्थित है। इसके नीचे तरल पदार्थ लावा है यह प्लेटें इसी लावे पर तैर रही है और इनके टकराने से ऊर्जा निकलती है जिसे भूकंप कहते है।

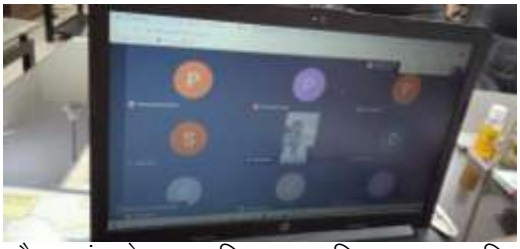

कार्यक्रम में डॉ. हेमन्त चौधरी ने भूकंप आने से होने वाले प्रभावों को विस्तार से समझाया। भूकंप से जान माल की हानि होती है भूकंप आने से इमारतें, बॉध, पुल आदि पृथ्वी के नाभकीय उर्जा केन्द्र को नुकसान पहुॅचाते है। भूकंप से बचाव किस तरह किया जाना चाहिए इस बात को भी विस्तार से समझाया।

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में नैतिक शिक्षा और उसका महत्व विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने भगवान श्री राम के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के संपूर्ण जीवन में नैतिकता एक स्थाई आधार होती है और यदि इसमें कमी हो तो व्यक्ति का जीवन पूर्ण नहीं माना जा सकता। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को अपना आशीर्वाद प्रदान किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ यशवंत निंगवाल ने हितोपदेश के श्लोक को पढ़कर उसकी सरल भाषा में व्याख्या की एवं बताया कि विद्वान व्यक्ति ना सिर्फ अपने देश में बल्कि दुनिया में सर्वत्र सम्मान का पात्र होता है।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. रागिनी दुबे ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि नैतिकता क्यों आवश्यक है, और जीवन में प्रत्येक पड़ाव पर वह कितनी महत्वपूर्ण है। संस्कारों के निर्धारण एवं उनकी निष्पत्ति और व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार जगत में नैतिकता परम आवश्यक है। लेकिन गिरते सामाजिक और नैतिक मूल्यों के इस युग में व्यक्ति की अनैतिकता उसके जीवन पर छाई हुई है। व्यक्ति आर्थिक समृद्धि को ही नैतिक मापदंड मानने लगा है और यदि वह इसी तरह से नैतिक शिक्षा और मूल्यों से विमुख होता गया तो एक दिन भारतीय संस्कृति और इस देश का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवमूल्यन हो जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण उसके जन्म से ही मां, परिवार एवं उसके आसपास के वातावरण से हो जाता है। बच्चा जो देखता है उसी को अपने व्यवहार में लाता है तथा उसी को अनुकरण करके उसी तरह का सामाजिक तादात्मिकरण करने लगता है। डॉ. दुबे ने बताया कि रामायण एवं महाभारत जैसे कालजयी ग्रंथों में उल्लेखित शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन में बदलाव के लिए परम आवश्यक है।

''ड्रॉपआउट की समस्या एवं निदान''

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आज शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में ''ड्रॉपआउट की समस्या एवं निदान'' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीमती किरण पगारे ने स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन समिति द्वारा किये गये कार्यो की सराहना करते हुए छात्राओं को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया, एवं बताया कि ड्रॉपआउट एक गंभीर समस्या है, और पूरा देश इस समस्या से जूझ रहा है, अनेक विद्यार्थी बीच में ही अध्ययन छोड़ देते हैं। जिसके अनेक कारण हो सकते हैं। उन्होंने ऐसे कई उदाहरण देकर समस्या की गंभीरता पर विचार रखें साथ ही बहुत से सुझाव भी दिए जिनसे इस समस्या से निजात पाई जा सकती है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. पुष्पा दुबे ने समस्या की आंतरिक एवं बाहरी पहलुओं पर अपने विचार रखें उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवस्था में मोहभंग होना ही ड्रॉपआउट है। विद्यार्थियों के जीवन में किसी भी मोड़ पर यह समस्या आ जाती है उन्होंने शिक्षा एवं संस्कृति के उदाहरण देकर इस समस्या से निजात के तरीके भी सुझाएं उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं संस्कृति मनुष्य को मनुष्य बनाती है, शिक्षा जीवन जीवन जीने की कला सिखाती है एवं उसकी सार्थकता निर्धारित करती है, और चरित्र निर्माण में शिक्षा की व्यापक भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि यह देखने में आता है, कि विद्यार्थी अध्ययन के प्रति गंभीर नहीं हो पाते हैं, और वे छोटी–छोटी असफलता के कारण ही बीच में ही अध्ययन छोड़ देते हैं। सामाजिक रूढ़ियां एवं

सामाजिक संरचना की विसंगतियां ड्रॉपआउट की समस्या के बड़े कारक है इसके अतिरिक्त गरीबी और छोटी उम्र में पारिवारिक जिम्मेदारियां आ जाना भी ड्रॉपआउट की समस्या के लिए जिम्मेदार है।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 11.12.2020 को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक योजना में स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्राओं हेतु ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसका विषय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं निबंध लेखन था। डॉ. रागिनी सिकरवार ने कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम की योजना का परिचय दिया।

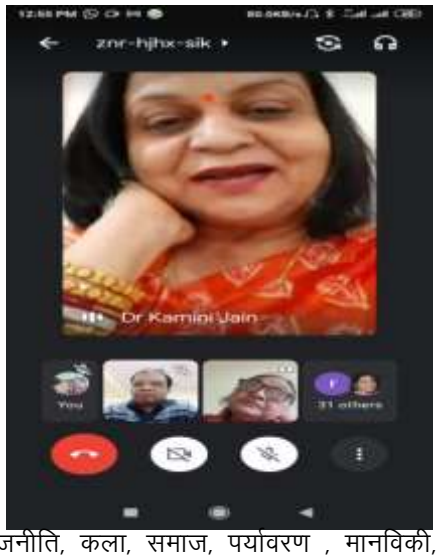

कार्यक्रम की संयोजक डॉ मीना शुक्ला ने कहा कि परीक्षाओं में सफलता के लिए केवल कोचिंग संस्थानों पर निर्भर न रहकर योजनाबद्ध तरीके से स्वअध्ययन करें।

विषय विशेषज्ञ महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. सी.एस. राज ने बताया कि प्रत्येक में यह आत्म मूल्यांकन की क्षमता होनी चाहिए कि वह कैरियर के अनुरूप अपना व्यक्तित्व निर्माण करें या व्यक्तित्व के अनुरूप अपने कैरियर का चुनाव करें। राज्य सिविल सेवा परीक्षा मे प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाता है। प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्रों के संबंध में विस्तार से बताते हुए प्रत्येक बिंदु पर चर्चा की तथा कहा कि इन परीक्षाओं में सफलता के लिए गहन अध्ययन, आत्म प्रबंधन, समय प्रबंधन बिंदुवार नोट्स बनाना तथा रणनीति के साथ तैयारी आवश्यक है। साक्षात्कार के अंतर्गत उन्होंने बताया कि इसमें व्यक्तित्व परीक्षण, सामान्य बुद्धि के प्रश्न, ग्रहण शक्ति, संतुलित व्यवहार, नैतिकता तथा सकारात्मक सोच की जांच की जाती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में निबंध लेखन एक महत्वपूर्ण अंग है। परीक्षा में पूछे जाने वाले विषय राजनीति, कला, समाज, पर्यावरण , मानविकी, विज्ञान, तात्कालिक ज्वलंत विषयों से संबंधित होते हैं। निबंध लेखन में क्रमबद्धता प्रवाहमयता, रोचकता, तार्किकता तथा सकारात्मक आलोचना होनी चाहिए। साथ ही लेखन शैली भी प्रभावी एवं भाषा की त्रुटियों से मुक्त होनी चाहिए।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा की अध्ययन सामग्री किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण और स्थायी साधन है निरंतर कठिन परिश्रम के द्वारा स्वाध्याय से सफलता प्राप्त की जा सकती है।

शिक्षक बनने की तैयारी कैसे करें

शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक योजना के तहत स्नातकोत्तर उत्तरार्ध की छात्राओं के लिए शिक्षक बनने की तैयारी कैसे करें विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. हर्षा चचाने द्वारा प्रकोष्ठ के उद्देश्यो पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के महत्व को बताया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन प्राचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन ग्रंथो में भी गुरू की गरिमा ईश्वर से बढ़कर मानी गई है आप सभी एक अच्छा शिक्षक बनकर समाज की दशा एवं दिशा को मार्गदर्शित कर देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं।

विषय विशेषज्ञ डॉ. प्रिंस जैन प्राचार्य, डॉ पं. रामलाल शर्मा शिक्षा महाविद्यालय ने अपने व्याख्यान में बताया कि शिक्षक होना अपने आप में कोई आसान काम नहीं है इसके लिए शैक्षणिक योग्यता के साथ ही व्यक्तिगत योग्यता होना भी अति आवश्यक है शिक्षक के रूप में पद पाने के लिए उन्होंने प्राइमरी मिडिल हाई स्कूल हायर सेकेंडरी हेतु विभिन्न प्रकार के डिप्लोमा एवं बीएड हेतु विभिन्न प्रकार के विषयों को विस्तृत रूप से बताया आपने आईसीटी को भी वर्तमान में अति आवश्यक बताते हुए कहा कि मनुष्य के कर्म विचार व्यवहार की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति ही शिक्षा है। शिक्षा से ही सृजनात्मकता एवं गतिशीलता आती है तथा एक अच्छे शिक्षक बनने के लिए आपको अपने विषय का पूर्ण ज्ञान होना आवश्यक है।

प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने बताया कि शिक्षा स्वरोजगारोन्मुखी होनी चाहिए।

डॉ यशवंत ने आज के सुभाषित वाक्य को विस्तृत रूप से परिभाषित करते हुए बताया कि लगन मेहनत एवं प्रयत्नशील रहकर ही अपने लक्ष्य तक हमें सफलता मिल सकती है और शिक्षा ही है जो समाज व राष्ट्र के विकास की धुरी है।

बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 28.12.2020 को आपदा प्रबंधन समिति द्वारा बाढ़ प्रबंधन पर गूगलमीट पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है। सामान्य से अधिक वर्षा होना बाढ़ आने का सबसे बड़ा कारण है। जिसके आने पर अपार जन धन की हानि होती है यह बिना किसी चेतावनी के काफी बड़े भौगोलिक क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। उन्होने 1999 एवं 2013 में आई बाढ़ के अपने अनुभव को साझा किया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने कहा कि धरती पर कई प्राकृतिक आपदाऍ आती रहती है इनमे से एक बाढ़ है जो कभी भी आ सकती है यह अगर अनर्थकारी रूप ले ले तो पृथ्वी पर प्रलय भी ला सकती है। धरती के बडे भूभाग में किसी कारण से हुए जल भराव जिससे जनता को जनधन की अपार क्षति हुई हो बाढ़ कहलाती है।

मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश कुमार दुबे ने बाढ़ का सामान्य परिचय देते हुए उन भौगोलिक कारणों को विस्तृत रूप से समझाया। उन्होने बताया कि बाढ़ एक बहुत बडी समस्या है जो कि विकराल रूप में सामने आती है इन्हे रोकने के लिए पूर्व नियोजित व्यवस्थाऍ करनी होती है। बाढ सामान्यतः एक प्राकृतिक घटना है बाढ से भारत ही नही बल्कि संपूर्ण विश्व प्रभावित रहता है। बाढ के आने के प्रमुख कारण है वनस्पितियों का विनाश, वर्षा की अधिकता नदी की तली अत्यधिक मलवा का जमाव नदी की धारा में परिवर्तन, जलाशयों में पानी की वृद्धि आदि।

वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद)

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में प्राचार्य, डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में वर्मी कंपोस्ट (केंचुआ खाद) यूनिट का पुनः शुभारंभ हुआ। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि विगत 5 वर्षों से महाविद्यालय में वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन किया जा रहा है। केंचुए के द्वारा बनाई गई जैविक खाद को वर्मी कंपोस्ट कहते हैं, केंचुए कृषकों के मित्र एवं भूमि की आंत भी कहलाते हैं। केंचुए प्राकृतिक रूप से भूमि की जुताई करते हैं और प्रतिदिन भूमि में असंख्य छिद्र बनाते हैं, ये छिद्र मृदा को भुरभुरा बनाने के साथ–साथ वायु संचार एवं मृदा की जल शोषण शक्ति में वृद्धि करते हैं। केंचुए जीवांश युक्त मृदा को खाकर भूमि की सतह पर उत्सर्जी पदार्थ के रूप में विसर्जित करते हैं, जिसे वर्मी कास्टिंग कहा जाता है। इस विसर्जित पदार्थ (वर्मी कास्टिंग) में फसलों एवं पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, सल्फर आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

होमसाइंस कॉलेज में वर्मी कंपोस्ट यूनिट का शुभारंभ

प्राणी शास्त्र के अतिथि विद्वान डॉ. अखिलेश यादव ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट उत्पादन हेतु गोबर, मिट्टी, महाविद्यालय परिसर के पेड़–पौधों से गिरी हुई सूखी पत्तियों एवं फूलों को रॉ मटेरियल के रूप में उपयोग किया गया एवं ''ईसेनिया फेटीडा'' नामक प्रजाति की केंचुए जिन्हें सामान्यतः रेड विंगलर अथवा रेड वार्म के नाम से भी जाना जाता है। जिसे वर्मी कंपोस्टिंग हेतु उपयोग किया जाता है। वर्मी कंपोस्टिंग हेतु 15 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान एवं 30 से 40 प्रतिशत नमी आदर्श होती है। वर्मी कंपोस्ट तैयार होने में लगभग 3 से 4 माह का समय लगता है।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 03.12.2020 को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीताशरण शर्मा विशिष्ट अतिथि डॉ. ओ. एन. चौबे एवं अध्यक्ष के रूप में डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्जवलन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अपने स्वागत भाषण में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि यह कार्यक्रम विधायक महोदय की अनुमति से कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए किया गया है। पुरस्कार प्राप्ति, किए गए कठोरतम प्रयास का पारितोषक होता है। महाविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा कोर्स में तीन छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं 10 छात्राओं को रजत पदक प्रदान किए गए है। महाविद्यालय परिवार द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर छात्रा प्रतिभा पुरस्कार, खेल मित्र पुरस्कार एवं पर्यावरण मित्र पुरस्कार, सर्वाधिक उपस्थिति पुरस्कार एवं विभिन्न गतिविधियों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया है।

महाविद्यालय में संचालित विभिन्न कोर्स एवं डिप्लोमा कोर्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को 1000 रूपये की नगद राशि प्रदान की जाती है। लगभग महाविद्यालय में 5000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। महाविद्यालय परिवार माननीय विधायक जी के सहयोग एवं मार्गदर्शन की सतत अपेक्षा रखता है। स्वर्ण पदक कुमारी कामिनी गहलोत, रानी सांगुले अंजली उईके ने प्राप्त किया। रजत पदक विजेता शिवानी मालवीय, पूनम संगोरिया , सेजल मेवाड़े, रोशनी धोटे, निधि पठारिया, मार्टिना हरियाले, श्रद्धा शर्मा, मनीषा पांसे, रोशनी यादव, कविता राजपूत ने प्राप्त किया। महाविद्यालय में इस वर्ष तीन नवीन पुरस्कारों को सम्मिलित किया गया है। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रा को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी मां की स्मृति में कुमारी साक्षी तिवारी को 1100 रु नगद एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। प्रतिभा बैंक सदस्य श्री बैजू जोसेफ द्वारा कुमारी राधा यादव को खेल मित्र पुरस्कार 1100 रु नगद एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। डॉ संध्या राय द्वारा अपनी माता जी की स्मृति में पर्यावरण मित्र पुरस्कार 1100 रु नगद एवं प्रमाण पत्र कुमारी मेघा वर्मा को प्रदान किया गया युवा उत्सव में विश्वविद्यालय स्तर पर कु आस्था चोरे ने वादन में द्वितीय एवं शिवानी मर्सकोले ने एकल नृत्य में तृतीय स्थान प्राप्त किया। सर्वाधिक उपस्थिति के लिए कुमारी कविता राजपूत एवं मेघा वर्मा को पुरस्कृत किया गया । राष्ट्रीय राज्य एवं अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताओं में 28 प्रतिभागी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विभिन्न संस्थाओं में अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली 48 छात्राओं को 1000 रू उनके खातें में जमा किए गये , प्रमाण पत्र एवं मैडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉ ओ एन चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्ल्ड बैंक द्वारा महाविद्यालय का विकास कार्य किया जा रहा है। शासन द्वारा अनुदान एवं विभिन्न सामग्री प्रदान की जाती है। जिससे अध्ययनरत विद्यार्थियों का चहुमुखी विकास हो सके एवं राष्ट्र की एक मजबूत नींव तैयार हो सके।

माननीय विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने छात्राओं का उद्बोधन करते हुए कहा कि कोरोना की विपरीत परिस्थिति में पुरस्कार वितरण एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा यदि हमें ताकतवर बनाना है और राष्ट्र को समृद्ध करना है तो हमारा शिक्षित होना अनिवार्य है। शिक्षक समाज की महत्वपूर्ण धुरी है आप की कार्य क्षमता ऐसी होनी चाहिए कि विरोधी भी आपकी प्रशंसा करने पर मजबूर हो जाए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ संगीता अहिरवार ने एवं आभार डॉ ज्योति जुनगरे ने किया।

मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में शिक्षक अभिभावक के माध्यम से मधुमक्खी पालन में स्वरोजगार के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्रीमती कामिनी जैन ने कार्यक्रम आरंभ करने की अनुमति प्रदान की और कहा कि मधुमक्खी पालन के उत्पाद के रूप में शहद और मोम आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कृषि से जुड़े युवा एवं विभिन्न व्यक्ति जो कम लागत का व्यवसाय करने की इच्छा रखते हैं। उनके लिए मधुमक्खी पालन एक उत्तम व्यवसाय है।

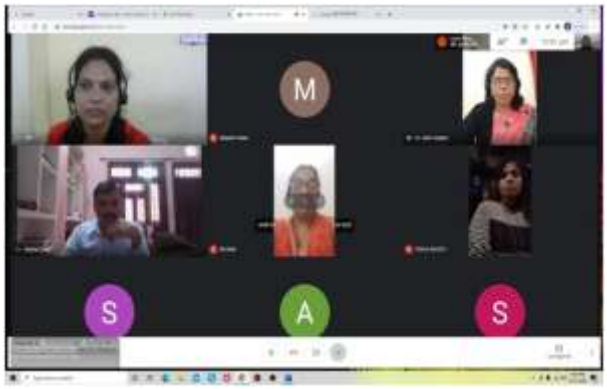

समिति की संयोजक डॉ आर बी शाह ने कहा कि शहद अमृत तुल्य है। पढ़ लिख कर नौकरी पर निर्भर नहीं रहना है। हमको स्वयं का रोजगार करके दूसरों को भी रोजगार देना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री नरेश त्यागी ने मधुमक्खी पालन पर

विस्तृत व्याख्यान देते हुए। मधुमक्खी के स्वभाव मधुमक्खी की प्रजातियां मधुमक्खी पालन के लाभ मधुमक्खी पालन के लिए प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी देते हुए इससे प्राप्त होने वाले सह रोजगार पर प्रकाश डाला एवं छात्राओं के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए। गूगल मीट का सफल संचालन करते हुए डॉ. ज्योति जुनगरे ने कहा शहद आदि की प्राप्ति के लिए मधुमक्खियां पाली जाती हैं। यह कृषि आधारित उद्योग है मधुमक्खी फूलों के रस को शहद में बदल देती है और उन्हें छत्तो में जमा करती है। जंगलों से सहद एकत्र करने की परंपरा लंबे समय से लुप्त हो रही है।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

आज दिनांक 12.12.2020 को शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शिक्षक अभिभावक के माध्यम से स्नातकोत्तर उत्तरार्ध की सभी छात्राओं के लिए शोध पूर्व तैयारी विषय पर व्याख्यान का आयोजन गूगल मीट द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में शोध पूर्व तैयारी विषय पर शोध की महत्ता बताते हुए शोध उच्च शिक्षा महामानव को गढ़ने की प्रयोगशाला है एवं छात्राओं को शोध के लिए प्रेरित किया।डॉ. तैयबा खातून विषय विशेषज्ञ समाजशास्त्र प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय नरेला भोपाल ने बहुत ही सारगर्भित, व्यवहारिक एवं सरल शब्दों में शोध की व्याख्या करते हुए शोध के विभिन्न चरणों को व्यवस्थित चरणबद्ध तरीके से छात्राओं को बताते हुए कहा कि शोध मे सतर्कता, सावधानी व निष्ठा जरूरी है। अनुसंधान विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान खोजने की एक सुनियोजित एवं वैज्ञानिक विधि है इसके अंतर्गत संबंधित समस्या के विभिन्न पक्षों के विषय में अनेक प्रकार सामग्री एकत्र करके तथा उसका विधि पूर्वक विश्लेषण करके समस्या का समाधान प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। उनकी प्रेरणा एवं निर्देशन में छात्राओं ने समाज शास्त्र एवं समाज कार्य विषय में लघु शोध प्रबंध किए।

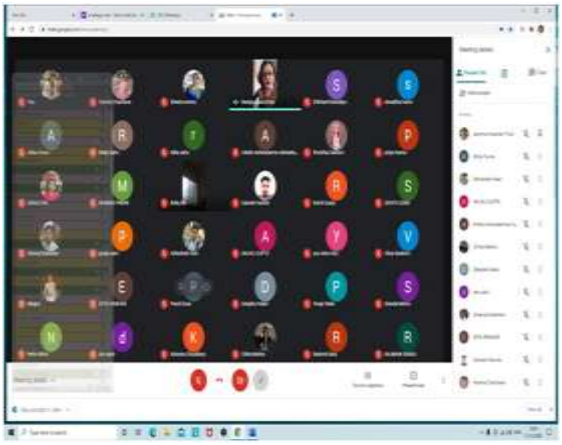

संस्कृत के प्राध्यापक डॉ. यशवंत निंगवाल ने अपने सुभाषित वाक्य के अंतर्गत ध्येय वाक्य सत्यमेव जयते की विस्तृत व्याख्या की उन्होंने बताया कि यही वह वाक्य है जिसके अंतर्गत मानव जीवन के चरम लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

योजना विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना

मध्यप्रदेश शासन की महत्वकांक्षी योजना विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत आज दिनांक 18.12.2020 को स्नातक तृतीय वर्ष की छात्राओं हेतु रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन मैडम ने अपने प्रारंभिक उद्बोधन में छात्राओं को आत्मनिर्भरता की और कदम बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया, उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज संपूर्ण विश्व औद्योगिक क्षेत्र में नई चुनौतियों,समस्याओं एवं संसाधनों के कठिन दौर से गुजर रहा है। सभी प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं में चाहे वह पूंजीवादी हो साम्यवादी हो या मिश्रित, रोजगार आर्थिक क्रांति का मुख्य आधार है। हमारे देश में नौकरियां सीमित हैं। इसलिए छात्राएं स्वयं का उद्यम स्थापित कर उद्यमी बन सकती हैं इससे वे स्वयं तो रोजगार प्राप्त कर सकती हैं अन्य को भी रोजगार उपलब्ध करा सकती हैं। उद्यमी ही वास्तव में समाज के सच्चे नायक एवं सच्चे स्वप्न दृष्टा है। उन्होंने महाविद्यालय में चल रही विभिन्न योजनाओं जैसे मशरूम उत्पादन शहद उत्पादन आयुर्वेदिक शैंपू मेहंदी जड़ी–बूटी उत्पादन एवं जैविक खाद के उत्पादन की जानकारी भी छात्राओं को दी उन्होंने शासन की इस योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह योजना शिक्षा के साथ रोजगार चुनने और छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित

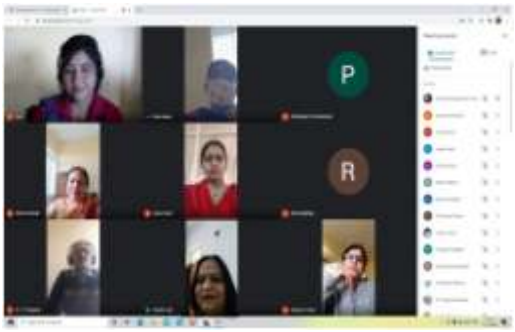

होगी। उन्होंने सरकारी गैर सरकारी अर्ध सरकारी क्षेत्रों में रोजगार कैसे प्राप्त करें इस पर भी छात्राओं की शंका का समाधान किया।

व्याख्यान मे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की डिप्टी मैनेजर श्रीमती अल्पना महावर ने शासन द्वारा स्वरोजगार के लिए चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी उन्होंने बताया कि छात्राएं इन योजनाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकती हैं एवं शासन द्वारा दिए जाने वाले विशेष अनुदान एवं सुविधाओं की भी चर्चा उन्होंने की उनके द्वारा होशंगाबाद जिले में संचालित विभिन्न रोजगार इकाइयों जैसे आटा मिल मोती उत्पादन बैग उत्पादन आदि की जानकारी छात्राओं को दी। ऋण प्राप्त करने एवं औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की समस्त प्रक्रिया की जानकारी श्रीमती महावर द्वारा छात्राओं को दी गई।

''मातृभाषा का जीवन में महत्व''

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तत्वाधान में महाविद्यालय की प्रतिभा बैंक के सम्मानीय सदस्य शास्त्री श्री नृत्य गोपाल कटारे द्वारा ''मातृभाषा का जीवन में महत्व'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन उद्‌बोधन से हुआ, प्राचार्य डॉ. जैन ने बताया कि जहां मातृ शब्द जुड़ जाता है, वहीं सभी कार्य आसान होने लगते हैं उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे स्वयं अपने जीवन में मातृभाषा को अपनाएं यही एक ऐसी युक्ति है जो हमारे चहुमुखी विकास के लिए आवश्यक है, इससे ना सिर्फ हमारी आंतरिक चेतना सकारात्मक रूप से विकसित होती है बल्कि हमारे आसपास का वातावरण भी सकारात्मक होने लगता है।

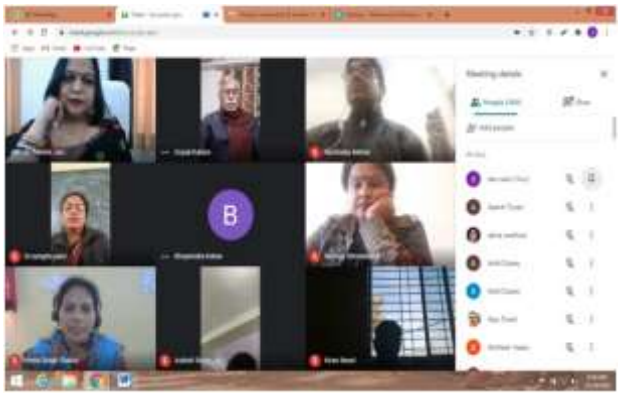

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शास्त्रीय नृत्य गोपाल कटारे ने बहुत ही सरल व सहज भाषा में हमारे जीवन में मातृभाषा की उपयोगिता और उसके प्रयोग की बारीकियों को समझाया उन्होंने बताया कि माता प्रथम गुरू होती है माता द्वारा सिखाए जाने वाले शब्द और उनकी पहचान कराने वाले उच्चारण ही मातृभाषा के रूप में विकसित होते हैं। बालक बचपन में जिन शब्दों का प्रयोग करता है भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर वही शब्दों का स्मरण होता है। अपने व्याख्यान के माध्यम से उन्होंने सभी श्रोताओं से

आग्रह किया कि बच्चों की आरंभिक शिक्षा मातृभाषा में होगी तो उनका विकास भी अधिक होगा हिंदी और अंग्रेजी के बीच उच्चारण और व्यवहार को लेकर उन्होंने सूक्ष्म अंतर को निर्दिष्ट किया एवं बताया कि हिंदी में पानी के लिए 108 और सूर्य के लिए 1000 शब्द हैं जबकि अंग्रेजी में इनके लिए एक एक शब्द ही है। उन्होंने रामचरितमानस के उदाहरण देकर बताया कि अल्पप्राण और महाप्राण के उच्चारण स्वर हमारी जीवन शैली को प्रभावित करते हैं हमारी मातृभाषा इतनी सक्षम है कि हमें किसी अन्य भाषा को मातृभाषा बनाने की आवश्यकता नहीं है परंतु वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी को बाल्यकाल से ही पढ़ाने के कारण बच्चों की मातृभाषा भी बदल रही है इसके लिए सर्वप्रथम हम अपनी मातृभाषा का ही प्रत्येक स्थान पर प्रयोग करना चाहिए।

सपने देखें एवं उन्हे पूर्ण करने हेतु संकल्पित रहें – डॉ. चन्द्रशेखर वालिम्बे

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 21.12.20 से तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया इस प्रोग्राम का उद्देश्य प्रथम वर्ष की प्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित संकाय बरकतउल्ला एवं उच्च शिक्षा से अवगत कराना है कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा आयुक्त डॉ चंद्रशेखर वालिम्बे, संयोजक डॉ श्रीकांत दुबे, सह संयोजक डॉ अरुण सिकरवार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपनी गरिमा में उपस्थिति प्रदान की।

मां सरस्वती की पूजन एवं अर्चन के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम के स्वागत भाषण में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय जिले का अग्रणी महाविद्यालय है जिसमें कला, वाणिज्य, विज्ञान, गृह विज्ञान एवं डिप्लोमा संचालित है। बेस्ट प्रैक्टिस वर्मी कंपोस्ट मशरूम उत्पादन, औषधि उद्यान, गुलाब उद्यान, पोषण उद्यान आदि कई वर्षों से सुचारू रूप से संचालित हैं। महाविद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। विद्यार्थी अपनी रुचि अनुसार विषय में प्रवेश लेकर अपने उज्जवल भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। महाविद्यालय की छात्रा श्रीमती बसु चौधरी एवं श्रीमती कविता राजपूत ने महाविद्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त कर वृहद पैमाने पर अपना स्वरोजगार प्रारंभ कर रोजगार प्रदाता बनी है। प्राचार्य महोदय ने छात्राओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय से वह अपना सर्वांगीण विकास कर एक सशक्त एवं स्वाबलंबी नारी के रूप में समाज में अपना उचित स्थान प्राप्त करेंगी।

उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त डॉ. चंद्रशेखर वालिम्बे ने महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों को उत्कृष्ट फैकल्टी की संज्ञा दी । उन्होंने छात्राओं को उद्बोधन करते हुए कहा कि महाविद्यालय शिक्षा छात्र जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है समय लौटकर नहीं आता अतः समय का पूर्णतः सदुपयोग करें। सपने एवं विजन को स्पष्ट रखें। अपने सपने से प्रतिदिन रूबरू होना अति आवश्यक है अपनी क्षमताओं को पहचाने एवं स्वयं का आत्मावलोकन करें। गुरु का सम्मान करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। बिना परिश्रम के कुछ भी प्राप्त नहीं होता जीवन में सफलता के लिए कभी भी शॉर्टकट का उपयोग ना करें, छात्राओं को समझाईश दी।

कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ अरुण सिकरवार ने छात्राओं को उद्बोधन करते हुए बताया कि विद्यार्थी किस प्रकार ऑनलाइन साइट से अपना सिलेबस एवं अन्य जानकारियां प्राप्त कर सकती है उन्होने कहा कि एसआईएस का रजिस्ट्रेशन अवश्य करावें, ताकि शिक्षण संबंधी संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते है विद्याार्थी कॉलेज की विभिन्न विभागों से किस प्रकार जुड़कर अपना सर्वांगीण विकास कर सकती हैं।

एनएसएस इकाई दो कि प्रभारी डॉ हर्ष चचाने ने बताया कि एनएस की इकाइयों से जुड़कर विद्यार्थी किस प्रकार शिक्षा द्वारा समाज सेवा एवं समाज सेवा से शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं एनएसएस का मूल्य वाक्य है मैं नहीं आप।

डॉ श्रीकांत दुबे ने अपने उद्बोधन के माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर होने वाली विभिन्न परीक्षाओं वार्षिक परीक्षाओं सेमेस्टर परीक्षा नामांकन की प्रक्रिया से अवगत कराया श्री दुबे ने बताया कि वर्तमान परीक्षा पद्धति में पूर्णतः है पारदर्शिता है अतः हमें ईमानदारी से परीक्षा में सम्मिलित होना होगा।